षोडश

बिहार विधान-सभा

द्वितीय सत्र

तारांकित प्रश्न

वर्ग-2

मंगलवार, तिथि 18 फाल्गुन, 1937 (शक) / 08 मार्च, 2016 (ई०)

प्रश्नों की कुल संख्या 109

(1)	प्राथमिक शिक्षा विभाग	14
(2)	माध्यमिक शिक्षा विभाग	37
(3)	अनुसूचित जाति एवं जन-जाति कल्याण विभाग	06
(4)	खान एवं भूतत्व विभाग	02
(5)	उच्च शिक्षा विभाग	07
(6)	कला, संस्कृति एवं युवा कल्याण विभाग	15
(7)	समाज कल्याण विभाग	08
(8)	परिवहन विभाग	06
(9)	पर्यावरण एवं वन विभाग	03
(10)	विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग	04
(11)	पिछड़ा एवं अति पिछड़ा कल्याण विभाग	02
(12)	निबंधन, उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग	05
	कुल योग —	109

शिक्षकों का पदस्थापन

'क'-157. श्री समीर कुमार महासेठ—क्या मंत्री, शिक्षा (मा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि मधुबनी जिलान्तर्गत हरलाखी प्रखंड क्षेत्र के गंगौर? मिडिल? ... उच्च विद्यालय में वर्ग नवम् से दशम् तक नामांकित कुल एक हजार से अधिक छात्रों की पढ़ाई मात्र दो कमरों में होती है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त विद्यालय में प्रधानाध्यापक सहित मात्र तीन शिक्षक ही सारे एक हजार बच्चों की पढ़ाई करा रहे हैं ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त विद्यालय में पर्याप्त कमरों का निर्माण एवं पर्याप्त शिक्षकों का पदस्थापन करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

व्यवस्था कराना

*604. श्री विजय शंकर दूबे—क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि प्रदेश के महान स्वतंत्रता सेनानी पंडित महेन्द्र मिश्र की जन्म जयन्ती समारोह राजकीय स्तर पर सारण जिला के जलालपुर प्रखंड मुख्यालय में प्रत्येक वर्ष दिनांक 16 मार्च को आयोजित किया जाता रहा है ;

(2) क्या यह बात सही है कि वित्तीय वर्ष 2013-14 व 2014-15 में जन्म जयन्ती समारोह के लिये राज्य सरकार के कला, संस्कृति विभाग ने धन राशि उपलब्ध करायी है ;

(3) क्या यह बात सही है कि वर्तमान वर्ष 16 मार्च को आयोजित होने वाले समारोह के लिये धन उपलब्ध कराने का मामला विभाग के विचाराधीन है ;

(4) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार पूर्वी धुन के जनक व महान स्वतंत्रता सेनानी पंडित महेन्द्र मिश्र के जयन्ती समारोह के लिये दीर्घ-कालिक व्यवस्था कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

स्टेडियम का निर्माण

*605. श्री निरंजन राम—क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि कैमूर जिलान्तर्गत मोहनिया प्रखंड के सेवा निकेतन उच्च विद्यालय बड़हुली?, कर्मा? उच्च विद्यालय, भदौरा? एवं उच्च विद्यालय, पसाई? में खेल मैदान रहने के बावजूद वहाँ स्टेडियम का निर्माण नहीं किया गया है, यदि हाँ, तो सरकार खिलाड़ियों के हित में वर्णित उच्च विद्यालयों के खेल मैदान में स्टेडियम निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

निर्माण कराना

*606. श्री राम विशुन सिंह—क्या मंत्री, शिक्षा (मा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि भोजपुर जिलान्तर्गत जगदीशपुर प्रखंड के हरिगाँव ग्राम में मॉरीशस के प्रधान मंत्री द्वारा दिनांक 19 फरवरी, 2008 को सर शिव सागर राम गुलाम के नाम से उच्च विद्यालय का स्थापना हुआ, किन्तु उक्त विद्यालय में छात्रों को पठन कार्य हेतु फर्नीचर की व्यवस्था नहीं है तथा न ही प्रधानाध्यापक है और न ही विद्यालय का चहारदीवारी है ;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार कबतक उक्त विद्यालय में फर्नीचर, प्रधानाध्यापक की प्रतिनियुक्ति एवं चहारदीवारी का निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

नोट—'क' दिनांक 1 मार्च, 2016 को सदन द्वारा स्थगित।

भवन का निर्माण

*607. श्री दिनेश कुमार सिंह—क्या मंत्री, शिक्षा (माध्यमिक) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि [illegible] जिला अन्तर्गत [illegible] प्रखंड [illegible] उत्क्रमित माध्यमिक (+2) विद्यालय [illegible] का भवन काफी जर्जर है, जिसकी मरम्मत अपेक्षित है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त विद्यालय में भवन निर्माण के लिये वर्ष 2014-15 में 57 लाख रु० का आवंटन किया गया था जिसे मार्च, 2015 में वापस ले लिया गया है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कबतक उक्त विद्यालय का भवन निर्माण कराने का विचार रखती है ?

भुगतान करना

*608. श्री [illegible]—स्थानीय दैनिक समाचार-पत्र के दिनांक 11 जनवरी, 2016 के अंक में प्रकाशित शीर्षक ''दो साल शिक्षा का अधिकार'' की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुये क्या मंत्री, शिक्षा (प्राथमिक) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि गरीब बच्चों को प्राइवेट स्कूलों में दाखिला दिलाने के लिए 1 अप्रैल, 2010 से राज्य में शिक्षा का अधिकार कानून लागू किया गया है ;

(2) क्या यह बात सही है कि इसके तहत नामांकित बच्चों का फीस राज्य सरकार द्वारा भुगतान किया जाता है ;

(3) क्या यह बात सही है कि पटना शहर के 61 प्राइवेट विद्यालयों में नामांकित छात्रों की फीस की राशि का भुगतान नहीं किया गया है ;

(4) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार खंड (3) के प्राइवेट विद्यालयों में नामांकित छात्रों के फीस का शीघ्र भुगतान करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

स्थानान्तरित करना

*609. श्री [illegible] प्रसाद—क्या मंत्री, शिक्षा (माध्यमिक) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि [illegible] नगर स्थित आदर्श उच्च विद्यालय जीर्ण-शीर्ण [illegible] अस्थायी भवन में चल रहा है जिससे छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को पठन-पाठन में भारी कठिनाई हो रही है ;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार [illegible] जीर्ण-शीर्ण अस्थायी भवन को तोड़कर उस स्थान पर नये भवन का निर्माण एवं +2 में उत्क्रमित करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

प्राक्कलन के अनुरूप

*610. डॉ० (श्री) [illegible]—क्या मंत्री, समाज कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि [illegible] जिला के [illegible] प्रखंड मुख्यालय में आँगनबाड़ी केन्द्र कार्यालय का निर्माण किया जा रहा है, परन्तु उक्त निर्माण कार्य में विभागीय शिथिलता के कारण घटिया सामग्री का प्रयोग किया जा रहा है, यदि हाँ, तो सरकार कबतक इसकी जाँच कराकर उचित कार्रवाई करते हुये उक्त निर्माण कार्य को प्राक्कलन के अनुरूप कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

उपलब्ध कराना

*611. श्री [illegible]—क्या मंत्री, शिक्षा (प्राथमिक) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि मध्याह्न भोजन योजना में कार्यरत रसोइया-सह-सहायक की सेवाकाल में मृत्यु होने पर उसके आश्रित को एकमुश्त 4,00,000 (चार लाख) रुपया का अनुग्रह अनुदान [illegible] सरकार, शिक्षा विभाग के पत्रांक-म०भो०यो०-[illegible]-123/2015-1198 के माध्यम से देने का प्रावधान है ;

(2) क्या यह बात सही है कि सरकार के उक्त आदेश के आलोक में सहायक शिक्षक, [illegible] [illegible], पूर्वी चम्पारण में कार्यरत सहायक शिक्षक [illegible] की मृत्यु 25 [illegible], 2015 को हो जाने के उपरांत अनुग्रह राशि हेतु प्रधानाध्यापक द्वारा अनुशंसा-पत्र जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, [illegible] योजना, पूर्वी चम्पारण को 17 अक्टूबर, 2015 को भेजा गया, लेकिन आजतक उनके आश्रितों को अनुग्रह राशि नहीं मिली है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार अविलम्ब उक्त मृत शिक्षक के आश्रित को 4,00,000 (चार लाख) रुपये की अनुग्रह राशि उपलब्ध कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

उत्क्रमित करना

*612. श्री [illegible] सिंह--क्या मंत्री, शिक्षा (माध्य० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि गोपालगंज जिला के प्रखंड [illegible] के [illegible] पंचायत में एक भी माध्यमिक विद्यालय नहीं है जिससे छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने हेतु दूर-दराज जाना पड़ता है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त पंचायत में स्थित मध्य विद्यालय [illegible] माध्यमिक विद्यालय में उत्क्रमण की सभी शर्तों को पूरा करता है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार मध्य विद्यालय [illegible] को माध्यमिक विद्यालय में उत्क्रमित करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

प्रारंभ करना

*613. श्री [illegible] प्रसाद--क्या मंत्री, शिक्षा (मा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि कटिहार जिला अन्तर्गत राजकीय उच्च विद्यालय, [illegible] में वर्ष 2011-12 में +2 भवन का निर्माण हो जाने के बावजूद अभीतक पठन-पाठन प्रारंभ नहीं हुआ है ;

(2) क्या यह बात सही है कि इस विद्यालय से मैट्रिक उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को +2 की पढ़ाई दूसरे विद्यालय में करनी पड़ती है, जिससे उन्हें भारी कठिनाई हो रही है ;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार खंड (1) में वर्णित उक्त विद्यालय में +2 के शिक्षकों की नियुक्ति करते हुए पठन-पाठन प्रारंभ करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

भवन का निर्माण

*614. श्रीमती आशा देवी--क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि पटना जिला के दानापुर अनुमंडल के [illegible] अंचल अधीन [illegible] विद्यालय शंकरपुर [illegible] के भवन निर्माण हेतु वित्तीय वर्ष 2013-14 में रुपये 17,20,000 ([illegible]) की स्वीकृति दी गयी ;

(2) क्या यह बात सही है कि प्रधानाध्यापक द्वारा उक्त राशि की निकासी वर्ष 2015 में कर ली गयी है, परन्तु स्कूल का भवन नहीं बनाया गया है जिससे बच्चों की पढ़ाई खुले आसमान के नीचे हो रहा है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार इसकी जाँच कराकर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए स्कूल के भवन का निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

आवासीय विद्यालय खोलना

*615. श्रीमती रंजू गीता--क्या मंत्री, अनुसूचित जाति एवं जन-जाति कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि सीतामढ़ी जिलान्तर्गत बाजपट्टी प्रखंड मुख्यालय में अनुसूचित जाति का आवासीय विद्यालय की आजतक स्वीकृति नहीं होने के कारण उक्त वर्ग के बच्चे शिक्षा की लाभ से वंचित रह रहे हैं ;

(2) क्या यह बात सही है कि सरकारी नियमानुसार बिहार राज्य के प्रत्येक प्रखंड मुख्यालय में अनुसूचित जाति का आवासीय विद्यालय खोलने का प्रावधान है ;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त प्रावधान के अनुरूप वर्णित प्रखंड में उक्त आवासीय विद्यालय खोलने का विचार कबतक रखती है, नहीं, तो क्यों ?

हाई स्कूल खोलना

*616. श्रीमती पूनम पासवान--क्या मंत्री, शिक्षा (मा0 शि0) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि कटिहार जिला के फलका प्रखंड के भंगहा पंचायत में हाई स्कूल नहीं होने के कारण इस पंचायत के विद्यार्थियों को यहाँ से 7 कि0 मी0 दूर स्थित बरेटा हाई स्कूल में पढ़ने के लिये जाना पड़ता है, जिससे छात्रों को काफी कठिनाई होती है, यदि हाँ, तो सरकार भंगहा पंचायत में हाई स्कूल खोलने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

निर्माण कराना

*617. श्री मिथिलेश तिवारी--क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि वर्ष 2012 में तत्कालीन विभागीय मंत्री द्वारा गोपालगंज के भोरे एच0 ई0 हाई स्कूल के खेल मैदान को पं0 दीनदयाल उपाध्याय स्टेडियम के रूप में शिलान्यास किया गया था, परन्तु मुख्यमंत्री विकास कोष से 58 लाख की राशि खर्च करने बावजूद स्टेडियम आज भी अर्द्धनिर्मित है ;

(2) यदि उपर्युक्त खण्ड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त स्टेडियम का पूर्णरूपेण निर्माण कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

परिचालन का विचार

*618. श्री विजय कुमार सिन्हा--क्या मंत्री, परिवहन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि लखीसराय जिलान्तर्गत लखीसराय नगर परिषद् क्षेत्र में बस स्टैण्ड 6 वर्ष पूर्व बनकर तैयार है, लेकिन अभीतक वहाँ से बस का परिचालन शुरू नहीं हुआ है, यदि हाँ, तो सरकार कबतक उक्त बस स्टैण्ड से बस का परिचालन कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

देने का विचार

*619. श्री प्रहलाद यादव--क्या मंत्री, शिक्षा (मा0 शि0) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि लखीसराय जिला के अब्दुल रहमान ने वर्ष 2000 में आर0 डी0 कॉलेज, शेखपुरा में इन्टरमिडियट विज्ञान का परीक्षा फॉर्म भरा था जिसका रोल कोड-8129 तथा रोल नं0 10001 था ;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उसका प्रवेशपत्र रोल नं0 10001 के आधार पर देने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

स्टेडियम का निर्माण

*620. श्री विनोद कुमार सिंह--क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि कटिहार जिलान्तर्गत प्राणपुर प्रखंड के रोशना मैदान में 10 वर्षों से राज्य स्तरीय फुटबॉल, क्रिकेट तथा वॉलीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन होता आ रहा है, यदि हाँ, तो सरकार रोशना मैदान में स्टेडियम का निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

अनुमति प्रदान करना

*621. श्री अमित कुमार--क्या मंत्री, शिक्षा (मा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि राज्य के प्राइवेट स्कूलों में अध्ययनरत छात्रों को राष्ट्रीय मेरिट स्तर प्रतियोगिता परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति नहीं है जिससे उन छात्रों के प्रतिभा का दमन हो रहा है, यदि हाँ, तो सरकार कबतक छात्रहित में उक्त प्रतियोगिता परीक्षा में प्राइवेट स्कूलों के छात्रों को भी सम्मिलित होने की अनुमति प्रदान करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पॉलिटेक्निक कॉलेज खोलना

*622. डॉ० विनोद प्रसाद यादव--क्या मंत्री, विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि गया जिला अन्तर्गत शेरघाटी अनुमण्डल मुख्यालय में पॉलिटेक्निक कॉलेज नहीं रहने के कारण छात्र-छात्राओं को तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने में कठिनाई होती है, यदि हाँ, तो सरकार शेरघाटी अनुमण्डल मुख्यालय में कबतक पॉलिटेक्निक कॉलेज खोलने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

स्टेडियम निर्माण

*623. डॉ० विनोद प्रसाद यादव--क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि गया जिलान्तर्गत शेरघाटी प्रखंड के ग्राम-[illegible] में स्थित [illegible] के मैदान का चहारदीवारी नहीं रहने के कारण अतिक्रमण हो रहा है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त मैदान का कबतक चहारदीवारी कराकर स्टेडियम निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

भवन निर्माण कराना

*624. श्री राम प्रसाद राय--क्या मंत्री, शिक्षा (मा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि समस्तीपुर जिलान्तर्गत हसनपुर विधान-सभा क्षेत्र के उच्च विद्यालय, मालदह, सखवा, विभान, लगमा, हसनपुर के उच्च विद्यालयों में भवन का अभाव है जिससे छात्र-छात्राओं का शिक्षण कार्य बाधित होता है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त सभी उच्च विद्यालयों को +2 का दर्जा दिया गया है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो कबतक सरकार छात्रहित में उक्त उच्च विद्यालयों में भवन निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

प्रतिनियुक्त कराना

*625. श्री (मो०) आफाक आलम--क्या मंत्री, शिक्षा (मा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि पूर्णियाँ जिलान्तर्गत जलालगढ़ उच्च विद्यालय को 10+2 की पढ़ाई की स्वीकृति 2009 में दी गई है और भवन वर्ष 2011 में बनकर तैयार हो गया है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त उच्च विद्यालय में 10+2 पढ़ाई हेतु एक भी शिक्षक की प्रतिनियुक्ति नहीं होने से 10+2 की पढ़ाई अभीतक शुरु नहीं किया गया है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त विद्यालय में 10+2 की पढ़ाई हेतु शिक्षक की प्रतिनियुक्ति कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

पेंशन दिलाना

*626. डॉ० शकील अहमद खाँ—क्या मंत्री, शिक्षा (मा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य में वर्ष 2004 से पूर्व नियुक्त माध्यमिक शिक्षक एवं शिक्षिका को पेंशन देय है ;

(2) क्या यह बात सही है कि राज्य में वर्ष 2004 से पूर्व नियुक्त मदरसा के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को आवश्यक पेंशन का लाभ नहीं दिया जा रहा है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार खण्ड (1) में वर्णित शिक्षक/शिक्षिकाओं की भाँति मदरसा शिक्षकों को भी पेंशन देने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

स्थानांतरित करना

*627. श्रीमती कुन्ती देवी—क्या मंत्री, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि गया जिलान्तर्गत मोहड़ा प्रखंड में संचालित अम्बेदकर अनुसूचित जाति आवासीय विद्यालय, तरौंवा का प्रभारी प्राचार्य छः वर्षों से भी अधिक समय से उक्त विद्यालय में ही पदस्थापित हैं ;

(2) क्या यह बात सही है कि विभागीय नियमानुसार एक जगह पर पदस्थापन की अवधि पाँच वर्ष ही है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार अम्बेदकर अनुसूचित जाति आवासीय विद्यालय, तरौंवा के प्रभारी प्राचार्य को अन्यत्र स्थानांतरित करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

प्रशिक्षण देना

*628. श्री अवधेश कुमार सिंह—क्या मंत्री, शिक्षा (मा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि वर्ष 2013-14 से माध्यमिक विद्यालयों के छात्र/छात्राओं को आई०सी०टी० एट स्कूल स्कीम के तहत कम्प्यूटर आधारित अधिगम का प्रशिक्षण दिये जाने का लक्ष्य है ;

(2) क्या यह बात सही है कि सीवान जिलान्तर्गत दरौंदा तथा भगवानपुर प्रखंड के माध्यमिक विद्यालयों के छात्र/छात्रा कम्प्यूटर आधारित अधिगम के प्रशिक्षण से अबतक वंचित हैं ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार दरौंदा तथा भगवानपुर प्रखंड के माध्यमिक विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को कम्प्यूटर आधारित अधिगम का प्रशिक्षण देने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

पदस्थापन करना

*629. श्री राजकिशोर सिंह—क्या मंत्री, शिक्षा (मा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि वैशाली जिलान्तर्गत गोरौल प्रखंड के राजकीयकृत रामगुलाम उच्च विद्यालय, बेलवर में सामाजिक विज्ञान में दो शिक्षक में एक शिक्षक एवं इतिहास, भूगोल, नागरिक, जीव विज्ञान, उर्दू, अंग्रेजी एवं संस्कृत विषय के शिक्षक नहीं हैं, इसके कारण उक्त विद्यालय के छात्र-छात्राओं को उक्त विषय के पठन-पाठन करने में कठिनाई होती है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त विषयों के शिक्षकों का अविलंब पदस्थापन करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

स्टाम्प शुल्क मुक्त करना

*630. श्री प्रमोद कुमार—क्या मंत्री, निबंधन, उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि के० कृषि ऋण एवं के०सी०सी० किसानों को बैंक से लेने में किसी भी प्रकार स्टाम्प एवं निबंधन शुल्क नहीं लगता है ;

(2) क्या यह बात सही है कि प्रधानमंत्री मुद्रा लोन योजना योजना में 50,000 रुपये तक के ऋण पर राज्य सरकार स्टाम्प शुल्क 6,000 रुपया बैंक के माध्यम से ले रही है जिसके कारण इस योजना का लाभ गरीबों तक नहीं पहुँच पा रहे हैं ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो कृषि ऋण की तरह प्रधानमंत्री मुद्रा ऋण में भी रोजगार मुहैया कराने के लिये 6,000 रुपये स्टाम्प शुल्क मुक्त करने की सरकार विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

नियुक्ति करना

*631. श्री सुरेश कुमार शर्मा—क्या मंत्री, शिक्षा (उ०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर के स्नातकोत्तर के अर्थशास्त्र विभाग में कुल 22 व्याख्याता का पद सृजित है, जबकि मात्र 3 व्याख्याता ही पदस्थापित हैं, जिससे पठन-पाठन का कार्य बाधित होता है ;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार छात्रहित में सृजित पद के अनुसार विश्वविद्यालय में व्याख्याता की नियुक्ति करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

स्थापित करना

*632. श्री मनोहर प्रसाद सिंह—क्या मंत्री, समाज कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि कटिहार जिला के मनिहारी प्रखंड अन्तर्गत नारायणपुर ग्राम पंचायत के वार्ड 13 महादलित टोला में आँगनबाड़ी केन्द्र नहीं है; यदि हाँ, तो सरकार उक्त वार्ड में आँगनबाड़ी केन्द्र स्थापित करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

स्टेडियम का निर्माण

*633. श्री लक्ष्मेश्वर राय—क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि मधुबनी जिलान्तर्गत लौकही प्रखंड मुख्यालय एवं खुटौना प्रखंड मुख्यालय में स्टेडियम नहीं रहने के कारण खिलाड़ियों को काफी कठिनाई होती है ;

(2) क्या यह बात सही है कि लौकही प्रखंड मुख्यालय में स्थित सूर्य प्रसाद +2 उच्च विद्यालय में तथा खुटौना प्रखंड मुख्यालय में जमीन उपलब्ध है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार लौकही एवं खुटौना प्रखंड मुख्यालय में स्टेडियम का निर्माण कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

पेंशन फंड से वंचित

*634. श्री विनोद कुमार—स्थानीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र के दिनांक 12 दिसम्बर, 2015 के अंक में प्रकाशित शीर्षक "67 फीसदी नियोजित शिक्षकों का नहीं कट रहा है पेंशन" को ध्यान में रखते हुए क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य के नियोजित सभी शिक्षकों को यू०टी०आई० रिटायरमेंट बेनीफिट फंड से जोड़ने की घोषणा सरकार द्वारा 2012 में की गई थी ;

(2) क्या यह बात सही है कि खण्ड (1) में वर्णित पेंशन फंड का लाभ राज्य के 4.08 लाख नियोजित शिक्षकों में से मात्र 1.36 लाख शिक्षकों को ही अबतक प्राप्त हो सका है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार राज्य के सभी नियोजित शिक्षकों को खण्ड (1) में वर्णित वेतन ग्रेड में जोड़ने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

निर्माण कराना

*635. श्री शिवप्रसाद कंवरी—क्या मंत्री, शिक्षा (मा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि अररिया जिला के फारबिसगंज प्रखंड के अमहरा पंचायत के [illegible] गाँव एवं [illegible] पंचायत के [illegible] गाँव में माध्यमिक उच्च विद्यालय नहीं है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त गाँव में माध्यमिक उच्च विद्यालय नहीं होने के कारण परमान नदी पारकर 10 किलो मीटर की दूरी तयकर फारबिसगंज में छात्र-छात्राएँ पठन-पाठन करने जाते हैं ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त गाँवों में माध्यमिक उच्च विद्यालय का निर्माण कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

खोलने का विचार

*636. श्री ललन पासवान—क्या मंत्री, शिक्षा (उ०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि रोहतास जिला में 62 वर्षों के बाद भी नौहट्टा, रोहतास, तिलौथू, चेनारी प्रखंड में छात्र-छात्राओं को पढ़ने के लिये कोई विश्वविद्यालय नहीं है ;

(2) क्या यह बात सही है कि छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिये सासाराम या डेहरी लगभग 13 कि०मी० की दूरी तयकर शिक्षा ग्रहण करने जाना पड़ता है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार इन प्रखंड मुख्यालयों में कबतक विश्वविद्यालय या महाविद्यालय खोलने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

कार्रवाई करना

*637. श्री विनोद कुमार—क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि दरभंगा जिला में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, जाले के पत्रांक 45, दिनांक 12 फरवरी, 2015 एवं इसी कार्यालय के ज्ञापांक 564, दिनांक 16 फरवरी, 2015 के द्वारा मो० शमशेर आलम, पंचायत शिक्षक, प्रा०वि०, मुर्गिया स्थान, शीरानगर, जाले एवं श्रीमती रुखसाना प्रवीण, पंचायत शिक्षिका, प्रा०वि०, [illegible], जाले को शिक्षक के पद पर अवैध नियोजन को रद्द करते हुये भुगतान की गई राशि सूद समेत वसूली करने का आदेश दिया गया है, इसके बावजूद भी दोनों शिक्षक अपने स्थान पर बने हुये हैं ;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, उक्त शिक्षकों के विरुद्ध सरकार कबतक कौन-सी कार्रवाई करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

मुक्त कराना

*638. श्री प्रमोद कुमार—क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि पूर्वी चम्पारण जिले में पीपराकोठी प्रखंड अन्तर्गत [illegible] पंचायत के एन०एच० 28 रोड से सटे गुमटी के निकट [illegible] गाँव में उत्क्रमित मध्य विद्यालय स्थित है, जिसका खाता 106, खेसरा 382 गैर-मजरूआ एवं खाता 89, खेसरा 334 आम गैर-मजरूआ दोनों रकबा लगभग 2 एकड़ है, के विद्यालय के खेल के मैदान का सड़क के दोनों तरफ अवैध रूप से अतिक्रमित हो चुका है ;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त विद्यालय के खेल के मैदान को अवैध अतिक्रमण से मुक्त कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

खोलने का विचार

*639. श्री राजीव नंदन— क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि गया जिलान्तर्गत परैया प्रखण्ड के [illegible] पंचायत के [illegible] ग्राम खरांटी बिगहा की आबादी लगभग 1,000 होने के बावजूद वहाँ एक भी सरकारी विद्यालय नहीं है;

(2) यदि उपर्युक्त खण्ड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार खरांटी बिगहा ग्राम में सरकारी विद्यालय खोलने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक ?

भवन का कार्य पूर्ण करना

*640. श्री कुमार सर्वजीत— क्या मंत्री, शिक्षा (मा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि गया जिलान्तर्गत मोहनपुर प्रखण्ड के ग्राम-बगदाहा में 10+2 स्कूल के भवन का निर्माण वर्ष 2011-12 में पूर्ण कर देना था, लेकिन अबतक मात्र 50 प्रतिशत कार्य ही हो सका है, जबकि उक्त भवन निर्माण की राशि वर्ष 2011-12 में ही निकासी हो गया है;

(2) यदि उपर्युक्त खण्ड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार उक्त भवन को कबतक पूरा कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

निबंधन कार्यालय खोलना

*641. श्री शशिभूषण हजारी— क्या मंत्री, निबंधन, उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि दरभंगा जिला अन्तर्गत बिरौल अनुमंडल में 6 लाख की आबादी के बावजूद वहाँ निबंधन कार्यालय नहीं रहने के कारण आम जनता को काफी परेशानी होती है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त निबंधन कार्यालय बिरौल में कबतक खोलने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

कार्रवाई करना

*642. श्री राजकिशोर सिंह— क्या मंत्री, पर्यावरण एवं वन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि बिहार राज्य के वैशाली, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, दरभंगा एवं अन्य जिलों में नीलगाय के द्वारा किसानों के फसलों को काफी नुकसान किया जा रहा है;

(2) क्या यह बात सही है कि नीलगाय उक्त जिले के किसानों को प्रतिवर्ष 20 प्रतिशत से 30 प्रतिशत फसल को नुकसान पहुँचाते हैं, जिससे उन्हें काफी आर्थिक क्षति उठानी पड़ रही है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार नीलगाय द्वारा फसलों को नुकसान से बचाने हेतु कौन-सी कार्रवाई कबतक करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

प्रभारी मंत्री—(1) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(2) आंशिक रूप से स्वीकारात्मक है। नीलगाय से फसलों के नुकसान का आकलन विभाग द्वारा नहीं किया गया है।

(3) राज्य सरकार की पहल पर नीलगाय को पीड़ाकारक जीव घोषित कर दिया गया है तथा इसको मारने की छूट नवम्बर, 2016 तक के लिये दी गयी है।

उत्क्रमित करना

*643. श्री (डॉ०) रामानुज प्रसाद—क्या मंत्री, शिक्षा (मा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सारण जिलान्तर्गत सोनपुर प्रखण्डान्तर्गत कसमर पंचायत में मध्य विद्यालय, गंगाजल, शिकारपुर एवं दिघवारा प्रखण्डान्तर्गत अकिलपुर पंचायत में मध्य विद्यालय, बंगलापर (चकनगौरा) अवस्थित है, किन्तु आस-पास में माध्यमिक की पढ़ाई नहीं होने के कारण छात्र-छात्राओं को काफी परेशानी होती है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त दोनों मध्य विद्यालय को उच्च विद्यालय में उत्क्रमित करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

कार्रवाई करना

*644. श्री मुजाहिद आलम—क्या मंत्री, शिक्षा (मा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि किशनगंज जिला के कोचाधामन प्रखण्ड अन्तर्गत उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय कोचाधामन पुरन्दाहा का भवन निर्माण कार्य बिहार शैक्षणिक आधारभूत संरचना निगम द्वारा किया जा रहा है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त भवन का निर्माण कार्य पिछले एक साल से बंद है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त भवन निर्माण के संवेदक व अभियन्ताओं पर कार्रवाई करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

कार्य कराना

*645. श्री ललित सिंह—क्या मंत्री, शिक्षा (मा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि रोहतास जिलान्तर्गत शिवसागर प्रखण्ड में नेहरू सेवा सदन उच्च विद्यालय, सोनी 2006-07 में ही +2 माध्यमिक विद्यालय में उत्क्रमित हो गया था, किन्तु उक्त विद्यालय में +2 विद्यालय के लिये भवन का निर्माण नहीं हुआ है जिससे इंटरमीडिएट का पठन-पाठन कार्य नहीं हो रहा है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त विद्यालय में भवन निर्माण कार्य कबतक कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

प्रारम्भ करना

*646. श्रीमती स्टीफी सोफा हेम्ब्रम—क्या मंत्री, शिक्षा (उ० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि संथाली भाषा के आठवीं अनुसूची में सम्मिलित होने के बावजूद उसकी पढ़ाई तिलकामांझी विश्वविद्यालय, भागलपुर में प्रारम्भ नहीं की गयी है, यदि हाँ, तो सरकार कबतक संथाली भाषा की पढ़ाई तिलकामांझी विश्वविद्यालय, भागलपुर में प्रारंभ करने का विचार रखती है ?

चलाने का विचार

*647. श्री रामनारायण मंडल—क्या मंत्री, परिवहन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि बाँका जिला मुख्यालय से बिहार राज्य पथ परिवहन निगम की बसें नहीं चलने के कारण बाँका से गोड्डा, दुमका एवं देवघर के लिए आने में यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है, यदि हाँ, तो सरकार इन मार्गों पर कबतक बस चलाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

स्थापित करना

*648. श्रीमती स्वीटी सीमा हेम्ब्रम— क्या मंत्री, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि बाँका जिलान्तर्गत कटोरिया विधान-सभा क्षेत्र आदिवासी बहुल रहने के बावजूद यहाँ अनुसूचित जनजाति के छात्र-छात्राओं के लिये आवासीय विद्यालय एवं छात्रावास नहीं है, यदि हाँ, तो कबतक सरकार कटोरिया विधान-सभा क्षेत्र में अनुसूचित जनजाति के छात्र-छात्राओं के लिये आवासीय विद्यालय एवं छात्रावास स्थापित करने का विचार रखती है ?

स्थापित करना

*649. श्री मनोहर प्रसाद सिंह— क्या मंत्री, समाज कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि कटिहार जिला के मनिहारी प्रखण्ड अन्तर्गत [illegible] ग्राम पंचायत के वार्ड 5 में आँगनबाड़ी केन्द्र नहीं है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त वार्ड में आँगनबाड़ी केन्द्र स्थापित करने का विचार रखती है ?

कार्रवाई करना

*650. श्री मिथिलेश तिवारी— क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि पटना में अंतर्राष्ट्रीय स्तर का 500 करोड़ की लागत से म्यूजियम तैयार किया गया है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त अत्याधुनिक म्यूजियम का एक चौथाई हिस्सा भी पूरा नहीं हुआ है और अगस्त, 2015 में उसका उद्घाटन भी कर दिया गया है, किन्तु दर्शकों के लिये एग्जिबिशन गैलरी और चिल्ड्रेन गैलरी का निर्माण नहीं हो पाया है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार अंतर्राष्ट्रीय स्तर के उक्त म्यूजियम में आधे-अधूरे कार्य करवाकर उद्घाटन करने वाले पदाधिकारी पर कार्रवाई करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

प्राक्कलन के अनुरूप करना

*651. डॉ० (मो०) जावेद— क्या मंत्री, शिक्षा (माध्यमिक) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि किशनगंज जिला के पोठिया प्रखण्ड में आवासीय उच्च विद्यालय में 50 बेड का छात्रावास भवन का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें लोकल बालू, दो नंबर ईंट तथा कम अनुपात में सिमेंट का उपयोग किया जा रहा है;

(2) यदि उपर्युक्त खण्ड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार इसकी जाँच करवाकर विभागीय पदाधिकारी एवं कार्यकारी एजेंसी पर उचित कार्रवाई करते हुए भवन निर्माण कार्य को प्राक्कलन के अनुरूप कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

प्रारम्भ करना

*652. श्री जय वर्द्धन यादव— क्या मंत्री, परिवहन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि पटना जिला के पालीगंज प्रखण्ड के पालीगंज बाजार में सरकारी बस डिपो से पश्चिम बंगाल, झारखंड एवं उत्तर प्रदेश के लिये बसों का परिचालन विभाग से वर्षों पूर्व होता था;

(2) क्या यह बात सही है कि लम्बे समय से परिचालन बंद होने के कारण सरकार को राजस्व की हानि होने के साथ ही बस डिपो की जमीन का अतिक्रमण कर लिया गया है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार पालीगंज बस डिपो के जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराते हुए अन्य मार्गों से परिवहन सेवा प्रारम्भ कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

औचित्य बतलाना

*653. श्री संजय सरावगी : स्थानीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र के दिनांक 18 जनवरी, 2016 के अंक में प्रकाशित शीर्षक ''परिवहन निगम को ... लाखों की चपत'' को ध्यान में रखते हुए, क्या मंत्री, परिवहन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि राज्य परिवहन प्राधिकार और क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार की बैठक विगत 7 महीने से नहीं होने के कारण परिवहन निगम से अनुबंधित बसों को जून, 2015 के बाद परमिट नहीं मिला है, जिससे बस मालिकों का हर महीने हजारों रुपये का नुकसान हो रहा है, यदि हाँ, तो राज्य परिवहन प्राधिकार एवं क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार की बैठक पिछले सात माह से नहीं कराये जाने का क्या औचित्य है ?

कार्रवाई करना

*654. श्रीमती सुनीता देवी : क्या मंत्री, शिक्षा (माध्यमिक) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि 34,540 कोटि के शिक्षक भर्ती में नियुक्त हजारों सहायक शिक्षक, गृह जिला में समान कोटि का पद रिक्त रहने पर भी 300-400 किलो मीटर की दूरी पर अन्य जिलों में पदस्थापित हैं;

(2) क्या यह बात सही है कि इस कोटि के महिला शिक्षिकाओं का गृह जिला में अंतर जिला स्थानांतरण पूर्व में किया जा चुका है;

(3) क्या यह बात सही है कि निदेशक, प्राथमिक शिक्षा, बिहार सरकार के पत्रांक 07/वि0 1-09/2014 2011, दिनांक 5 जनवरी, 2015 के द्वारा सुदूर जिलों में पदस्थापित इस कोटि के सहायक शिक्षकों के अंतर जिला स्थानांतरण हेतु आवेदन माँगा गया था जिसके क्रम में इस कोटि के कई शिक्षकों का अंतर जिला स्थानांतरण माह जनवरी एवं फरवरी, 2015 में किया गया है;

(4) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार शेष बचे शिक्षकों को गृह जिला में अंतर जिला स्थानांतरण हेतु कार्रवाई कबतक करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

नियमित कराना

*655. श्री सत्यदेव प्रसाद सिंह : क्या मंत्री, शिक्षा (माध्यमिक) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि जिला सीवान के प्रखंड गोरेयाकोठी में जन0उ0वि0, भिठी में स्नातक के तहत शिक्षक कार्यरत नहीं हैं जिससे पठन-पाठन कार्य प्रभावित हो रहा है;

(2) यदि उपर्युक्त खण्ड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार जन0उ0वि0, भिठी में स्नातक के तहत शिक्षक नियुक्त कर पठन-पाठन नियमित कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

उपलब्ध कराना

*656. श्रीमती लेशी सिंह : क्या मंत्री, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि पूर्णियाँ जिला के धमदाहा प्रखण्ड अंतर्गत रूपसपुर खगहा पंचायत के अरबैक मुसहरी तथा के0 नगर प्रखण्ड के गोआसी महादलित टोला के लोगों को आवागमन हेतु निकास का रास्ता नहीं है तथा दूसरे की जमीन से होकर गुजरने के कारण निजी जमीन मालिक के कोपभाजन का शिकार होना पड़ता है;

(2) यदि उपर्युक्त खण्ड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार इन दोनों टोला को निजी जमीन अधिग्रहीत कर रास्ता उपलब्ध कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पूर्ण कराना

*657. श्री [illegible] सिंह : क्या मंत्री, शिक्षा (मा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि रोहतास जिलान्तर्गत करगहर प्रखण्ड में [illegible] उच्च माध्यमिक +2 विद्यालय का भवन निर्माण कार्य राशि के अभाव में अधूरा है जिससे छात्रों का पठन-पाठन बाधित है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त विद्यालय में भवन निर्माण कार्य कबतक पूर्ण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

निर्माण कराना

*658. श्री [illegible] प्रसाद सिंह : क्या मंत्री, शिक्षा (मा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि पूर्वी चम्पारण जिला के कल्याणपुर प्रखण्ड में बच्चियों को पढ़ने के लिए मात्र एक बालिका कन्या विद्यालय, [illegible], पटना में अवस्थित है, जिसकी चहारदीवारी नहीं है तथा विद्यालय मुख्य सड़क पर अवस्थित होने से पठन-पाठन कार्य प्रभावित होने के साथ-साथ दुर्घटना की सम्भावना भी बनी रहती है;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार उक्त विद्यालय में चहारदीवारी का निर्माण कबतक कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

भवन बनाना

*659. श्री [illegible] : क्या मंत्री, समाज कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि गया जिलान्तर्गत गुरुआ प्रखंड में बाल विकास परियोजना कार्यालय सर्वोदय विद्या मंदिर विद्यालय के [illegible] में चल रहा है, यदि हाँ, तो सरकार गुरुआ प्रखंड में कबतक बाल विकास परियोजना का भवन बनाने का विचार रखती है ?

रोकने का विचार

*660. डॉ० सुरेन्द्र कुमार : क्या मंत्री, पर्यावरण एवं वन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि मुजफ्फरपुर जिला के [illegible] विधान सभा क्षेत्रान्तर्गत [illegible] नदी बहती है जिसमें रीगा चीनी मिल से निकलने वाले कचरों एवं जहरीले पानी छोड़ने के कारण वहाँ के किसान एवं लोग एवं जानवर कई प्रकार के बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं तथा साथ ही हजारों एकड़ उपजाऊ भूमि में नदी का पानी आने से भूमि बंजर होता जा रहा है, यदि हाँ, तो सरकार कबतक उक्त नदी में रीगा चीनी मिल का कचरा एवं जहरीले पानी गिरने से रोकने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सुरक्षित रखना

*661. श्री [illegible] प्रसाद सिंह : क्या मंत्री, (मा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि पूर्वी चम्पारण जिला के कोटवा प्रखंड के [illegible] उच्च विद्यालय में चहारदीवारी नहीं होने से भू-माफियाओं द्वारा जमीन का अतिक्रमण किया जा रहा है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त विद्यालय, बाजार में अवस्थित होने से दुकानदारों द्वारा प्रायः विद्यालय परिसर में दुकान लगा देने से पठन-पाठन कार्य बाधित होता है तथा इससे कई बार विधि व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो जाती है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त विद्यालय में चहारदीवारी का निर्माण कराकर विद्यालय के जमीन को सुरक्षित रखने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

विद्यालय खोलना

*662. श्री विद्यासागर केशरी— क्या मंत्री, शिक्षा (मा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि अररिया जिला के अंतर्गत फारबिसगंज प्रखंड के अंतर्गत [illegible] पंचायत के मानिकपुर ग्राम में छात्राओं के लिए माध्यमिक उच्च विद्यालय नहीं रहने के कारण उक्त ग्राम के बच्चों को 15 किलोमीटर की दूरी तय कर फारबिसगंज प्रखंड में पठन-पाठन करने जाना पड़ता है;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार मानिकपुर ग्राम में माध्यमिक उच्च विद्यालय खोलने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

निर्माण कराना

*663. श्री अचमित ऋषिदेव— क्या मंत्री, परिवहन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि वर्ष 2014-15 में मुख्य योजना के अन्तर्गत नागरिकों की सुविधा हेतु जिला परिवहन कार्यालयों को सशक्त बनाने के लिए राज्य के सभी जिलों में जिला परिवहन कार्यालय-सह-परिवहन सुविधा केन्द्र के भवन निर्माण का निर्णय लिया गया है;

(2) क्या यह बात सही है कि अररिया जिला में जिला परिवहन कार्यालय सह परिवहन सुविधा केन्द्र का निर्माण नहीं कराया गया है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार अररिया में जिला परिवहन कार्यालय सह परिवहन सुविधा केन्द्र का निर्माण शीघ्र कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

चहारदीवारी का निर्माण

*664. श्री अमरनाथ गामी— क्या मंत्री, शिक्षा (मा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि दरभंगा जिला के बहेड़ी प्रखंड अन्तर्गत उजैना हाई स्कूल में चहारदीवारी का निर्माण नहीं हुआ है जिसके कारण असामाजिक तत्वों के द्वारा विद्यालय की भूमि का अतिक्रमण किया जा रहा है साथ ही पढ़ाई के समय भी जानवरों का प्रवेश होने से पढ़ाई बाधित होता है;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त हाई स्कूल की चहारदीवारी निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

कार्रवाई करना

*665. श्री केदार नाथ सिंह— क्या मंत्री, शिक्षा (मा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि सारण जिला के मशरक प्रखंड में अल्पसंख्यक छात्रों के छात्रवृत्ति हेतु [illegible] वित्तीय वर्ष में कुल एक लाख आठ हजार रुपया दिया गया था, किन्तु उक्त राशि का वितरण अल्पसंख्यक छात्रों के बीच नहीं करके प्रधानाध्यापकों और जिला पदाधिकारियों ने गबन कर लिया है;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार उपर्युक्त घोटाले की जाँच कराकर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

बालू चालू कराने का विचार

*666. श्री मुन्द्रिका सिंह यादव : क्या मंत्री, खान एवं भूतत्व विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि राज्य में बालू खनन का कार्य बिल्कुल ठप है जिसके कारण निर्माण कार्य के लिए बालू की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गयी, यदि हाँ, तो सरकार कबतक राज्य में बालू खनन को चालू कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

छात्रवृत्ति दिलाना

*667. डॉ० (प्रो०) [illegible] : क्या मंत्री, पिछड़ा वर्ग एवं अतिपिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि भोजपुर जिलान्तर्गत आरा सदर में पिछड़ा एवं अतिपिछड़ा वर्ग के छात्रों को वित्तीय वर्ष 2014-15 में छात्रवृत्ति का वितरण नहीं किया गया है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति दिलाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

नियुक्ति एवं नियमावली का निर्माण

*668. श्री समीर कुमार महासेठ : क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य के सरकारी सहायता प्राप्त 108 अल्पसंख्यक स्कूलों में विगत 8 वर्षों से शिक्षकों की नियुक्ति नहीं हो रही है तथा अभीतक नियमावली भी नहीं बनी है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उपर्युक्त संबंध में प्राथमिक शिक्षा निदेशक द्वारा 11 मई, 2007 को ही सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों से रिपोर्ट माँगी गई थी, जिसका रिपोर्ट भी आ चुका है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार राज्य के 108 अल्पसंख्यक स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति एवं नियमावली का निर्माण कबतक कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

निर्माण कराना

*669. श्रीमती सुनीता सिंह चौहान : क्या मंत्री, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि

(1) क्या यह बात सही है कि जिला कल्याण पदाधिकारी, सिवान के ज्ञापांक 30 दिनांक 11 जनवरी, 2013 द्वारा अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग, बिहार, पटना को सिवान जिला के दरौली प्रखण्ड अन्तर्गत सरिफ नगर, औरी, ... तरवारा, बेलसिया एवं करौली पंचायत में महादलित सामुदायिक भवन निर्माण के संबंध में पत्र भेजा गया था ;

(2) क्या यह बात सही है कि उपर्युक्त सभी पंचायतों में महादलित सामुदायिक भवन निर्माण हेतु भूमि उपलब्ध है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कबतक खण्ड (1) में वर्णित पंचायतों में महादलित सामुदायिक भवन निर्माण कराने का विचार रखती है ?

स्टेडियम का निर्माण

*670. श्री दिनेश चन्द्र यादव : क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि कोसी प्रमंडल, सहरसा में स्टेडियम का निर्माण वर्ष 2000-2001 में शुरू किया गया था, जो अबतक अधूरा है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त स्टेडियम का निर्माण कबतक पूरा कराना चाहती है, नहीं, तो क्यों ?

राशि वसूलना

*671. श्री सत्यदेव नारायण आर्य : क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य में खेल को बढ़ावा देने के लिए निबंधित खेल संघ को सरकार द्वारा अनुदान की राशि दी जाती है;

(2) क्या यह बात सही है कि खण्ड (1) में वर्णित प्रावधान के आलोक में वर्ष 2015-16 में बिहार राइफल्स एसोसिएशन, छपरा (सारण) आदि को 2 लाख 75 हजार अनुदानित राशि दी गयी है जबकि यह संस्था निबंधन, उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग से निबंधित भी नहीं है तथा इस संस्था के पास अपना रेंज कोई भी नहीं है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार इसकी जाँच कराकर अनियमितता बरतने वाले पदाधिकारी के विरूद्ध कार्रवाई एवं राशि प्राप्त करने वाले एसोसिएशन से राशि वसूलने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

बोरिंग लगाना

*672. श्री ललन कुमार सिंह : क्या मंत्री, खान एवं भूतत्व विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि औरंगाबाद, रोहतास जिला सहित पूरे बिहार में नदियों से बालू निकालने से बालू स्तर नदियों से नीचे तक पानी गिरता जाता है;

(2) क्या यह बात सही है कि नदी तट पर कुएँ में पानी सूखने के कारण नबीनगर-बारुण रोड, जिले के विभिन्न गाँव, जिले के अन्य गाँव तबाह हो चुके हैं;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार बालू तट कुओं का तल पर जल के पास बोरिंग में बोरिंग लगाने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

प्रभारी मंत्री : (1) नदी से बालू को निकालने के पश्चात सम्पर्क पथ आदि को उपलब्ध कराने का प्रावधान है। बंदोबस्तधारी द्वारा नदी से बालू निकासी के पश्चात सड़क पर सूखे बालू की लदाई सुनिश्चित करने हेतु नदी किनारे भंडारण स्थल पर पानी निकल जाने के पश्चात बालू की ढुलाई की जाती है। इस प्रकार सड़क पर बालू के वाहनों से पानी का रिसाव होने की संभावना न्यूनतम हो जाती है। इस संबंध में समय-समय पर जिला खान विभाग के पदाधिकारी एवं प्रशासन द्वारा निगरानी की जाती है।

(2) औरंगाबाद जिलान्तर्गत बंदोबस्तधारी द्वारा राजस्व वसूली की जाती है। उक्त सड़क पर बालू लदे वाहन के अलावा अन्य प्रकार के वाहनों का आवागमन भी होता है। इस संबंध में खान एवं भूतत्व विभाग द्वारा पत्रांक 1855/एम, दिनांक 28 मई, 2015 एवं पत्रांक 3140, दिनांक 14 अगस्त, 2015 द्वारा बालू के परिवहन के संदर्भ में बंदोबस्तधारी द्वारा सभी घाटों पर सूखे बालू की लदाई तथा बालू घाट पर सम्पर्क सड़क आदि सुनिश्चित करने के संबंध में सभी समाहर्ताओं को आवश्यक निदेश दिया गया है।

(3) उपर्युक्त खंडों में स्थिति स्पष्ट कर दी गयी है।

कार्यालय खोलना

*673. श्री वीरेन्द्र कुमार सिंह : क्या मंत्री, निबंधन, उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि औरंगाबाद जिलान्तर्गत नबीनगर प्रखंड में निबंधन कार्यालय नहीं है जिससे आम लोगों को निबंधन कराने में कठिनाई होती है, यदि हाँ, तो सरकार नबीनगर प्रखंड के आम जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए उक्त प्रखंड में अवर निबंधन कार्यालय खोलने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

संस्कृति केन्द्र खोलना

*674. श्री विजय कुमार मिश्रा : क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि लखीसराय जिलान्तर्गत कला एवं संस्कृति का केन्द्र नहीं होने के कारण यहाँ के युवाओं को कला, संस्कृति के ज्ञान प्राप्ति में कठिनाई होती है, फलस्वरूप आर्थिक दृष्टि से कमजोर वर्ग इसका लाभ नहीं उठा पाते हैं, यदि हाँ, तो सरकार लखीसराय जिले में अविलंब कला एवं संस्कृति केन्द्र खोलने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

निर्माण कराना

*675. श्रीमती कुन्ती देवी— क्या मंत्री, शिक्षा (मा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि गया जिलान्तर्गत अतरी, [illegible] एवं मोहड़ा, खिजरसराय प्रखंडों में अवस्थित उ०वि०, भेला [illegible], [illegible] उ०वि०, खिजरसराय, गुलाबचन्द उ०वि०, नीमचक बथानी आदि विद्यालयों में चहारदीवारी, पेशाबखाना एवं शौचालय का अभाव होने के कारण अध्ययनरत छात्र/छात्राओं को काफी परेशानी हो रही है;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार छात्र/छात्राओं के हित में शौचालय, पेशाबखाना एवं चहारदीवारी के निर्माण का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

निर्माण कराना

*676. डॉ० फराज फातमी— क्या मंत्री, शिक्षा (मा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि दरभंगा जिला के केवटी प्रखंड के राम कुसुम उच्च विद्यालय, [illegible], केवटी में छात्रों की संख्या 1,206 तथा [illegible] उच्च विद्यालय, [illegible], केवटी में छात्रों की सं० 2,360 है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त विद्यालयों के भवन काफी जर्जर हो गये हैं तथा पर्याप्त कमरा नहीं है जिससे छात्रों को पठन-पाठन में काफी कठिनाई होती है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त विद्यालयों का जीर्णोद्धार एवं पर्याप्त कमरे का निर्माण कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

शुल्क में पुनर्निर्धारण

*677. डॉ० [illegible]— क्या मंत्री, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि सीतामढ़ी जिलान्तर्गत बाजपट्टी प्रखंड स्थित मधुबन बसहा (पूर्वी) एवं मधुबन बसहा (पश्चिम) ग्राम पंचायतों में किसान की निजी भूमि का राजस्व का भूमि के मूल्य से अधिक विगत 12-13 वर्ष पूर्व निर्धारित की गई है;

(2) क्या यह बात सही है कि प्रति डिसमिल भूमि के मूल्य से राजस्व का अधिक रहने के कारण किसानों के बीच क्रय विक्रय बंद है एवं यह पंचायत जिला का सर्वाधिक बाढ़ प्रभावित क्षेत्र भी है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त ग्राम पंचायत की भूमि का निबंधन शुल्क में पुनर्निर्धारण करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

पढ़ाई की व्यवस्था

*678. श्री [illegible] प्रसाद गुप्ता— क्या मंत्री, विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (ए०आई०सी०टी०ई०) द्वारा सभी इंजीनियरिंग और व्यावसायिक कॉलेज में कौशल विकास कार्यक्रम शुरू करने का निदेश दिया गया है, यदि हाँ, तो सरकार अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् के निदेश के आलोक में कौशल विकास की पढ़ाई की व्यवस्था किन-किन कॉलेज में कराना चाहती है, नहीं, तो क्यों ?

*679. श्री महबूब आलम— क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि मध्याह्न भोजन योजना में कार्यरत रसोइया सह सहायक को सेवाकाल में मृत्यु होने पर उनके आश्रित को एकमुश्त 4,00,000 (चार लाख) रुपये का अनुग्रह अनुदान राशि विभाग के पत्रांक म०भो०/को०-रसोइया-123/2013/1198 के माध्यम से देने का प्रावधान है;

(2) क्या यह बात सही है कि सरकार के उक्त प्रावधान के बावजूद नवसृजित प्राथमिक विद्यालय, बलुआही मठटोला, अंचल अरेराज, पूर्वी चम्पारण जिला के रसोइया श्रीमती कौशल्या देवी की मृत्यु 5 अक्टूबर, 2015 को स्कूल के दौरान हो जाने एवं इस संदर्भ में उक्त अनुग्रह राशि हेतु 23 नवम्बर, 2015 को जिला शिक्षा पदाधिकारी, पूर्वी चम्पारण को स्कूल के माध्यम से अनुशंसा पत्र भेजे जाने के बावजूद आश्रित को अनुग्रह राशि नहीं मिला है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त मृतक रसोइया के आश्रित को अनुग्रह राशि प्रदान करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

स्टेडियम का निर्माण

*680. श्री नौशाद आलम— क्या मंत्री, कला संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि ठाकुरगंज प्रखंड के [illegible] एवं [illegible] में स्टेडियम निर्माण हेतु स्थल चयन कर विभाग को भेजा जा चुका है; यदि हाँ, तो सरकार कबतक उक्त स्थलों पर स्टेडियम निर्माण कराने का विचार रखती है; नहीं, तो क्यों ?

पॉलिटेक्निक कॉलेज खोलना

*681. श्री मुजाहिद आलम— क्या मंत्री, विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि कोचाधामन विधान सभा क्षेत्र में एक भी पॉलिटेक्निक कॉलेज नहीं है, यदि हाँ, तो सरकार कबतक कोचाधामन विधान-सभा क्षेत्र में पॉलिटेक्निक कॉलेज खोलने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

विद्यालय खोलना

*682. श्री रामनारायण मंडल— क्या मंत्री, शिक्षा (मा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि बाँका जिला के बाँका प्रखंड के [illegible] पंचायत में कोई विद्यालय नहीं है जबकि इसके निर्माण हेतु पर्याप्त सरकारी जमीन उपलब्ध है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त पंचायत में कबतक नया विद्यालय खोलने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

कार्रवाई करना

*683. श्रीमती सुनीता सिंह चौहान— क्या मंत्री, समाज कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, सिधवलिया, गोपालगंज द्वारा ज्ञापांक 609, दिनांक 15 दिसम्बर, 2015 के माध्यम से श्रीमती [illegible] देवी, सेविका, केन्द्र संख्या [illegible], वार्ड सं० 7, पंचायत-डुमरिया, प्रखंड-सिधवलिया, जिला-गोपालगंज को दो दिनों के अंदर नवनिर्मित आँगनबाड़ी केन्द्र भवन में आँगनबाड़ी केन्द्र संचालित करने का निदेश दिया गया था, परन्तु उनके द्वारा नवनिर्मित आँगनबाड़ी केन्द्र भवन में आँगनबाड़ी केन्द्र का संचालन नहीं किया जा रहा है;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार नवनिर्मित आँगनबाड़ी केन्द्र भवन में आँगनबाड़ी केन्द्र संचालित नहीं करने वाली उक्त सेविका के विरुद्ध कार्रवाई करने का विचार रखती है ?

महोत्सव नहीं मनाने का औचित्य

*684. श्री सदानन्द सिंह—क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि भागलपुर जिलान्तर्गत कहलगाँव प्रखण्ड स्थित विक्रमशिला के खुदाई स्थल पर प्रतिवर्ष की तरह विक्रमशिला महोत्सव मनाया जाता है, लेकिन दो वर्षों से उक्त महोत्सव को नहीं मनाया जाता है; यदि हाँ, तो क्या सरकार द्वारा विक्रमशिला महोत्सव नहीं मनाने का क्या औचित्य है ?

स्थापित करना

*685. डॉ० रामानुज प्रसाद—क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सारण जिलान्तर्गत सोनपुर प्रखण्ड के [illegible] पंचायत के गंगा पार अतिपिछड़ा गाँव में एक भी सरकारी विद्यालय नहीं है जिसके कारण उक्त गाँव के बच्चे आज भी प्राथमिक शिक्षा से वंचित हैं; यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त गाँव में प्राथमिक विद्यालय स्थापित करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

निर्माण कराना

*686. श्री नारायण प्रसाद—क्या मंत्री, परिवहन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि प० चम्पारण जिलान्तर्गत बेतिया नगर परिषद् स्थित [illegible] बस पड़ाव में कूड़ा के कारण बस पड़ाव की स्थिति खराब है; यदि हाँ, तो सरकार उक्त बस पड़ाव का निर्माण कबतक कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

प्रतिनियुक्ति का विचार

*687. श्री ललन पासवान—क्या मंत्री, शिक्षा (मा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि रोहतास जिला के नौहट्टा प्रखंड के अन्तर्गत बालिका प्रोजेक्ट उच्च विद्यालय, नौहट्टा भवन के अभाव में सम्प्रति उच्च विद्यालय (बालकों) नौहट्टा में संचालित है तथा बालकों के इस उच्च विद्यालय के शिक्षकगण ही बालिका प्रोजेक्ट उच्च विद्यालय की छात्राओं को पढ़ा रहे हैं ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त बालिका प्रोजेक्ट उच्च विद्यालय में शिक्षिका प्रतिनियुक्त नहीं की गई है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार छात्राओं के हित में बालिका प्रोजेक्ट उच्च विद्यालय, नौहट्टा के भवन निर्माण के साथ ही साथ मानक के अनुरूप शिक्षिकाओं की प्रतिनियुक्ति कबतक करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

कार्रवाई करना

*688. श्री विनोद कुमार सिंह—क्या मंत्री, अनुसूचित जाति एवं जन-जाति कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि कटिहार जिला के आजमनगर प्रखंड अन्तर्गत उत्क्रमित उच्च विद्यालय, सान्धी के नवम वर्ग की ग्यारह अनुसूचित जाति के छात्राओं को वित्तीय वर्ष 2011-12 में साइकिल योजना की राशि नहीं दी गई है ;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार उक्त 11 छात्राओं को साइकिल योजना से वंचित करने वाले दोषी के विरुद्ध कार्रवाई करने का विचार रखती है ?

शामिल करने का विचार

*689. श्री संजीव चौरसिया—क्या मंत्री, शिक्षा (मा० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि बिहार की वर्तमान व्यवस्था के अन्तर्गत इन्टरमीडिएट (+2) में छात्रों को 100 अंकों की मातृभाषा पढ़ना अनिवार्य है एवं अहिन्दी भाषियों को 50 अंक हिन्दी के साथ विकल्प में 50 अंक का मैथिली, अंग्रेजी या उर्दू में से कोई एक चुनना है ;

(2) क्या यह बात सही है कि वैकल्पिक विषय में पहले मैथिली, अंग्रेजी, उर्दू के अलावा संस्कृत भी था, वर्तमान में संस्कृत का विकल्प समाप्त कर दिया गया है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार संस्कृत के वैश्विक महत्व को देखते हुए वैकल्पिक विषय में संस्कृत को शामिल करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

कार्रवाई करना

*690. डॉ० (मो०) नेमतुल्लाह—क्या मंत्री, पर्यावरण एवं वन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि गोपालगंज जिले में स्थित हरखुआ गन्ना फैक्ट्री का प्रदूषित जल बिना उसको ट्रीटमेंट के बाहर निकाल दिया जाता है जिससे आस-पास के गाँव की भूमि बंजर एवं स्थानीय ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर कुप्रभाव पड़ रहा है, यदि हाँ, तो सरकार फैक्ट्री के इस प्रदूषित जल से बचाव के लिये क्या कार्रवाई करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

उत्क्रमित करना

*691. श्री मेवा लाल चौधरी—क्या मंत्री, शिक्षा (उ० शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि मुंगेर जिला के तारापुर प्रखंड अन्तर्गत आर० एस० डिग्री कॉलेज, तारापुर वर्ष 1966 से संचालित है, जो मुख्य मार्ग पर अवस्थित है, किन्तु इसमें आधारभूत संरचना की कमी है, यदि हाँ, तो सरकार आर० एस० डिग्री कॉलेज, तारापुर के कमियों को पूरा करते हुए उसे मॉडल कॉलेज में कबतक उत्क्रमित करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पॉलिटेक्निक कॉलेज खोलना

*692. श्री नौशाद आलम—क्या मंत्री, विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि किशनगंज जिलान्तर्गत दिघल बैंक प्रखंड जिला मुख्यालय से पचास कि० मी० की दूरी पर अवस्थित है, जहाँ पॉलिटेक्निक कॉलेज नहीं रहने से छात्र / छात्रा को तकनीकी शिक्षा से वंचित रहना पड़ता है, यदि हाँ, तो सरकार दिघल बैंक प्रखंड में पॉलिटेक्निक कॉलेज खोलने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

जाँच कराना

*693. श्री नारायण प्रसाद--दिनांक 23 जनवरी, 2016 को हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र में प्रकाशित शीर्षक "न पद्दे तक नहीं खुलता आईसीडीएस कार्यालय" के संदर्भ में क्या मंत्री, समाज कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि प० चम्पारण, जिलान्तर्गत बैरिया प्रखंड का आईसीडीएस कार्यालय अक्सर ही बंद रहता है ;

(2) क्या यह बात सही है कि आईसीडीएस कार्यालय की तरह ही आँगनबाड़ी केन्द्रों का संचालन कागज पर ही हो रहा है, जिसके कारण नन्हे मुन्ने बच्चों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार नियमित समय पर कार्यालय खोलने तथा आँगनबाड़ी केन्द्रों की जाँच कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

आवंटित करना

*694. श्रीमती लेशी सिंह--क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पूर्णियाँ जिला के धमदाहा अनुमण्डल मुख्यालय में वर्ष 2006-07 में विभाग द्वारा स्टेडियम निर्माण हेतु पन्द्रह लाख राशि उपलब्ध कराकर कार्य शुरू किया गया था, परन्तु पर्याप्त राशि के अभाव में स्टेडियम निर्माण अधूरा पड़ा है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त स्टेडियम का निर्माण पूर्ण कराने हेतु पर्याप्त राशि कबतक आवंटित करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

निर्माण कराना

*695. श्री (मो०) आफाक आलम--क्या मंत्री, शिक्षा (मा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पूर्णियाँ जिलान्तर्गत नगर प्रखंड के जनता उच्च विद्यालय, [illegible] का भवन विगत 28 वर्षों से जर्जर होने के कारण छात्र-छात्राओं को पठन-पाठन एवं विद्यालय प्रशासन को किताब, उपस्थिति रजिस्टर, कुर्सी, टेबुल आदि को रखने में कठिनाई होती है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त विद्यालय के नये भवन का निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

नियुक्ति करना

*696. श्री अख्तरूल इस्लाम शाहीन--क्या मंत्री, शिक्षा (मा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य के माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में सफाई कर्मी नहीं है जिससे छात्रों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है ;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार राज्य के सभी माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में सफाईकर्मी की नियुक्ति करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

स्थापना करना

*697. श्री जय वर्द्धन यादव--क्या मंत्री, निबंधन, उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि पटना जिला के पालीगंज प्रखंड अनुमंडल में वर्ष 2005 में निबंधन कार्यालय (रजिस्ट्री ऑफिस) की स्थापना की स्वीकृति हो चुकी है ;

(2) क्या यह बात सही है कि यहाँ के आमजनों को निबंधन हेतु 15 कि०मी० दूर बिक्रम प्रखंड जाना पड़ता है जिसके कारण काफी कठिनाई होती है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कबतक स्वीकृति के आलोक में मसौढ़ी अनुमंडल में निबंधन कार्यालय की स्थापना करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

प्रतिनियुक्ति करना

*698. श्री राम विशुन सिंह—क्या मंत्री, शिक्षा (मा॰शि॰) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि भोजपुर जिलान्तर्गत बरनॉव, असनी, धनपुर, हरिगांव, कौरा, जगदीशपुर, इटाढ़ी उच्च विद्यालयों में विज्ञान के शिक्षक नहीं हैं, जिसके कारण छात्रों को विज्ञान विषय के पठन-पाठन में काफी कठिनाई हो रही है ;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार कबतक उक्त सभी विद्यालय में विज्ञान के शिक्षक की प्रतिनियुक्ति करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

भुगतान करना

*699. श्री अख्तरुल इस्लाम शाहीन—दैनिक हिन्दी समाचार-पत्र के दिनांक 2 दिसम्बर, 2015 के अंक में छपी खबर शीर्षक ''एड्स या मनी शताब्दी योजना का लाभ मिला बस एक महीने'' के आलोक में क्या मंत्री, समाज कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि एड्स रोगियों के कल्याण के लिए विभाग ने शताब्दी योजना व पालनहार योजना प्रारम्भ किया था ;

(2) क्या यह बात सही है कि इस योजना मद में केवल एक माह के लिए विभाग द्वारा राशि उपलब्ध कराया गया जिसका लाभ उन्हें मिला और पिछले 10 माह से यह योजना बन्द पड़ा है और पीड़ितों को लाभ नहीं मिल पा रहा है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कबतक उपर्युक्त योजनाओं के लाभार्थियों को शीघ्र भुगतान कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

उपलब्ध कराना

*700. श्री समीर कुमार महासेठ—क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा॰शि॰) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि मधुबनी जिलान्तर्गत कलुआही प्रखंड के राजकीय प्राथमिक विद्यालय, मुरहा में पोशाक एवं छात्रवृत्ति योजना की राशि नहीं मिला है ;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार उक्त जिला के उक्त विद्यालय में छात्रों को पोशाक एवं छात्रवृत्ति योजना की राशि उपलब्ध कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

आयोजित कराना

*701. श्री मेवा लाल चौधरी—क्या मंत्री, शिक्षा (मा॰शि॰) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि मुंगेर जिला के तारापुर प्रखंड अन्तर्गत आदर्श उच्च विद्यालय, तारापुर एवं असरगंज प्रखंड अन्तर्गत उच्च विद्यालय, [illegible] संचालित है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त दोनों उच्च विद्यालयों में व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु विशेष कक्षा आयोजित करने की सुविधा अपेक्षित नहीं है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार व्यावसायिक शिक्षा को प्रोत्साहन देने हेतु उक्त विद्यालयों में विशेष कक्षाएँ आयोजित कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

स्टेडियम का निर्माण

*702. श्री ललित कुमार यादव—क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि दरभंगा जिलान्तर्गत सदर प्रखंड एवं मनीगाछी प्रखंड में स्टेडियम का निर्माण नहीं किये जाने से खिलाड़ियों की प्रतिभा प्रभावित हो रही है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त दोनों प्रखंडों में स्टेडियम का निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

दंडित करना

*703. श्री संजीव चौरसिया—क्या मंत्री, शिक्षा (उच्च०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य सरकार, विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के [illegible] के लिए आधारभूत संरचना निगम की स्थापना की है ;

(2) क्या यह बात सही है कि आधारभूत संरचना निगम द्वारा अधिक प्राक्कलन बनाकर जैसे-तैसे कार्य कराया जाता है तथा निगम के कार्य समाप्ति के बाद विश्वविद्यालय, महाविद्यालय एवं छात्रावास का भवन जर्जर स्थिति में हो जाता है, उदाहरण के लिये पटना विश्वविद्यालय स्थित दरभंगा हाउस, बी०एन० कॉलेज व पटना कॉलेज है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार आधारभूत संरचना निगम के क्रियाकलापों की जाँच कराकर दोषियों को दंडित करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

कार्रवाई करना

*704. श्री जितेन्द्र कुमार—क्या मंत्री, शिक्षा (माध्यमिक) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि नालंदा जिला के अस्थावां [illegible] क्षेत्र के उच्च विद्यालयों में जिलाधिकारी के आदेश के बावजूद उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं प्रभारी प्रधानाध्यापक द्वारा समिति का गठन नहीं किया गया है ;

(2) क्या यह बात सही है कि जिलाधिकारी के आदेशानुसार उच्च विद्यालयों में समिति का गठन कर स्थानीय [illegible] सदस्य को भी समिति में रखा जाना है जो समिति के पदेन अध्यक्ष होते हैं ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार नियमानुसार समिति का गठन नहीं करने वाले प्रधानाध्यापक/प्रभारी प्रधानाध्यापक के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

स्थापना करना

*705. श्री अमित कुमार—क्या मंत्री, शिक्षा (उच्च०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सीतामढ़ी जिला के रीगा प्रखंड में एक भी डिग्री कॉलेज नहीं रहने से उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों को दूर जाना पड़ता है, यदि हाँ, तो सरकार छात्रहित में रीगा प्रखंड में उच्च शिक्षा हेतु एक डिग्री कॉलेज की स्थापना करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों?

निर्माण कार्य कराना

*706. श्री केदार नाथ सिंह—क्या मंत्री, शिक्षा (प्राथमिक) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि सारण जिलान्तर्गत [illegible] प्रखंड के [illegible] पंचायत में राजकीय मध्य विद्यालय, [illegible] विगत कई वर्षों से संचालित हो रहा है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त विद्यालय के पास आवश्यक अपना भवन नहीं है जिसके कारण बच्चे पेड़ के नीचे पढ़ने को मजबूर हैं ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त विद्यालय का भवन निर्माण कार्य कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

निलंबित करना

*707. श्री राज कुमार राय—क्या मंत्री, समाज कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि समस्तीपुर जिलान्तर्गत [illegible] प्रखंड के ग्राम [illegible] पंचायत [illegible] के वार्ड नं० 1 में [illegible] है कि केन्द्र सं० 119 पर सेविका के रूप में [illegible] कुमारी, पति [illegible] कुमार सिंह का चयन [illegible] कार्यालय द्वारा किया गया है ;

(2) क्या यह बात सही है कि स्थानीय सी०डी०पी०ओ० द्वारा [illegible] में [illegible] वार्ड नं० 1 की आमसभा [illegible] श्री अशोक कुमार सिंह का नाम जोड़ा गया है जो सरकारी मानदंड का खुला उल्लंघन है ;

(3) क्या यह बात सही है कि शिक्षक चयन में अभ्यर्थी प्रियंका कुमारी को 47.50 प्रतिशत अंक था जबकि भारती कुमारी को मात्र 39 प्रतिशत अंक प्राप्त है जिसे स्थानीय बी०डी०ओ० द्वारा [illegible] भारती कुमारी का चयन उक्त वार्ड नं० 1 के मेधा नं० 119 पर कर दिया गया है ;

(4) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उत्तरदायी [illegible] बी०डी०ओ० एवं [illegible] के विरुद्ध कार्रवाई करते तथा सक्षम अभ्यर्थी को उक्त पद पर नियुक्त करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

बहाल करना

*708. श्री संजय सरावगी—स्थानीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र के दिनांक 3 जनवरी, 2016 के [illegible] में प्रकाशित "बिना ऐक्सरसाइज कैसे हो रहा बिहार के बच्चे [illegible] स्कूल" शीर्षक को ध्यान में रखते हुए क्या मंत्री, शिक्षा (माध्यमिक) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि दरभंगा, सीतामढ़ी, मधुबनी, पश्चिम चम्पारण एवं पूर्वी चम्पारण में क्रमशः 907, 1120, 877, 64 एवं 1223 विभिन्न स्कूलों में शिक्षक होने वाले भी शारीरिक प्रशिक्षक का नियुक्ति नहीं होने से शिक्षण कार्य प्रभावित है तथा विद्यार्थियों का प्रदर्शन असंतोषजनक है ;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार खंड 1 में वर्णित विद्यालयों में शारीरिक प्रशिक्षक बहाल करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

धीमी प्रगति का औचित्य

*709. श्री [illegible]—क्या मंत्री, पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि सरकार ने वर्ष 2009-10 में राज्य के अति पिछड़े वर्गों के छात्र-छात्राओं के लिये राज्य के सभी जिलों में 100 आसन वाले एक छात्रावास निर्माण करने हेतु जननायक कर्पूरी ठाकुर अति पिछड़ा वर्ग कल्याण छात्रावास योजना पर कार्य करने का निर्णय लिया था ;

(2) क्या यह बात सही है कि सात वर्ष बीत जाने के बावजूद [illegible] मात्र राज्य के [illegible] जिले यथा [illegible], अरवल, बांका, सुपौल, शेखपुरा एवं [illegible] में मात्र छात्रावास के भवन का निर्माण कार्य पूरा किया गया है किन्तु इन जिलों में भी छात्रावास के संचालन की प्रक्रिया शुरू नहीं की गयी है तथा शेष 32 जिलों में भवनों का निर्माण अधूरा है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो राज्य के अति पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के कल्याणार्थ इस महत्वाकांक्षी योजना के धीमी प्रगति का औचित्य क्या है ?

शुरू कराना

*710. श्री (मो०) नवाज आलम—क्या मंत्री, शिक्षा (उच्च) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 1992 में तत्कालीन मुख्य मंत्री द्वारा की गई थी ;

(2) क्या यह बात सही है कि इतनी लम्बी अवधि बीत जाने के बावजूद भी उक्त विश्वविद्यालय में मेडिकल, इंजीनियरिंग एवं कृषि की पढ़ाई अभीतक शुरू नहीं की गयी है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त विश्वविद्यालय में मेडिकल, इंजीनियरिंग एवं कृषि की पढ़ाई शुरू कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

मरम्मती कराना

*711. श्री राम सेवक सिंह—क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि गोपालगंज जिले के हथुआ विधान सभा क्षेत्र अन्तर्गत गोपेश्वर महाविद्यालय, हथुआ का खेल के मैदान का मरम्मती नहीं हुआ है, यदि हाँ, तो सरकार कबतक उक्त महाविद्यालय के खेल के मैदान की मरम्मती करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पटना :
दिनांक 8 मार्च, 2016 (ई०)।

राजीव कुमार,
प्रभारी सचिव,
बिहार विधान-सभा।

बि०स०मु० (सचिवा०), 176-कॉ०डी०पी०-500